Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



कक्षा - 9

हिन्दी

कृतिका (गद्य खंड)

अध्याय-1 : इस जल प्रलय में (फणीश्वरनाथ रेणु)

भाग - 8

कुशाल सोलंकी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

विवरण (Overview)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

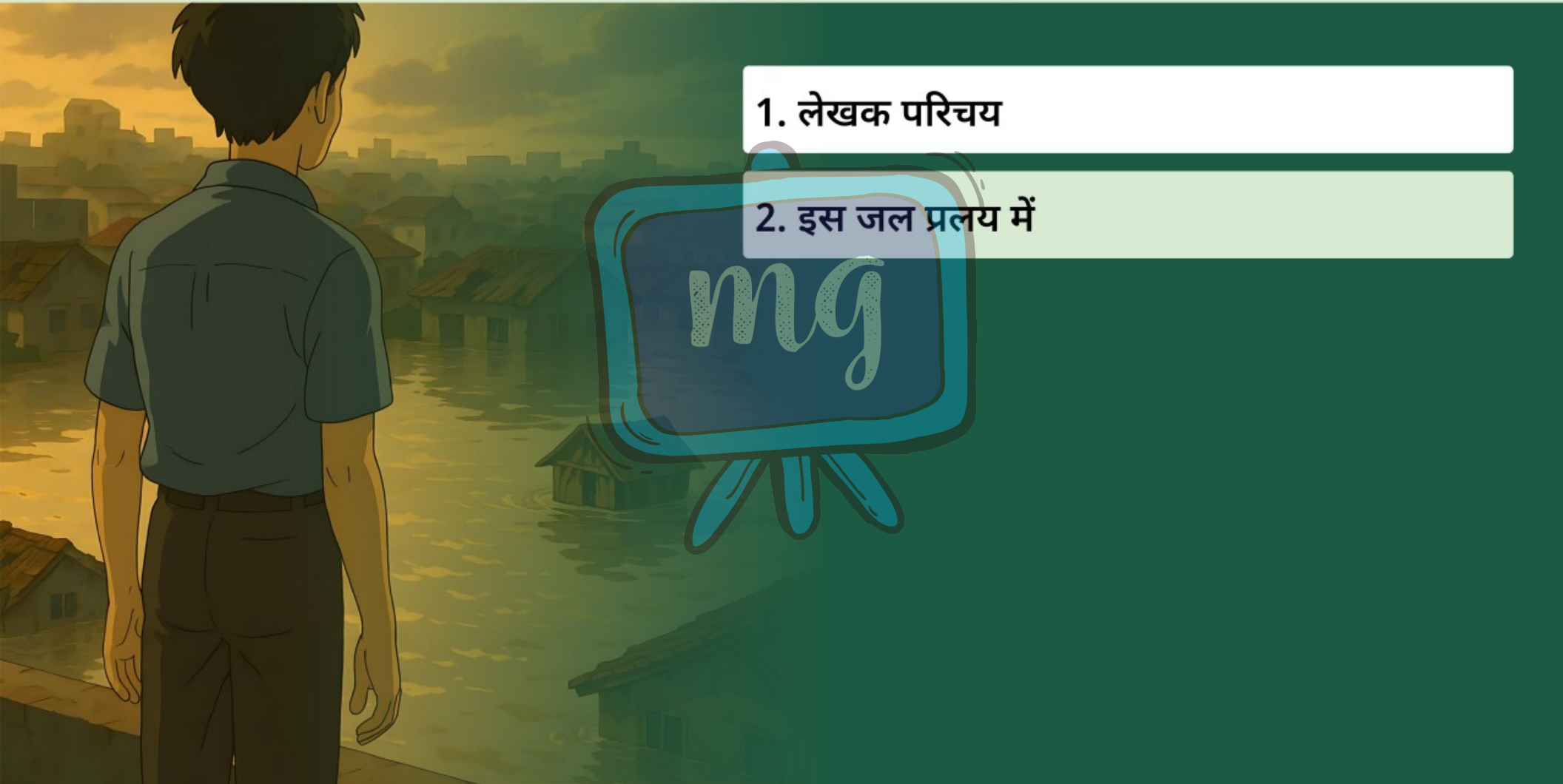

1. लेखक परिचय
2. इस जल प्रलय में

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



"काहो रामसिंगार, पनियां आ रहलो है?"

"ऊँहूँ, न आ रहलौ है।"

ढाई बज गए, मगर पानी अब तक आया नहीं, लगता है कहीं अटक गया, अथवा जहाँ तक आना था आकर रुक गया, अथवा तटबंध पर लड़ते हुए इंजीनियरों की जीत हो गई शायद, या कोई दैवी चमत्कार हो गया! नहीं तो पानी कहीं भी जाएगा तो किधर से? रास्ता तो इधर से ही है... चारों ब्लॉकों के प्रायः सभी फ़्लैटों की रोशनी जल रही है, बुझ रही है।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

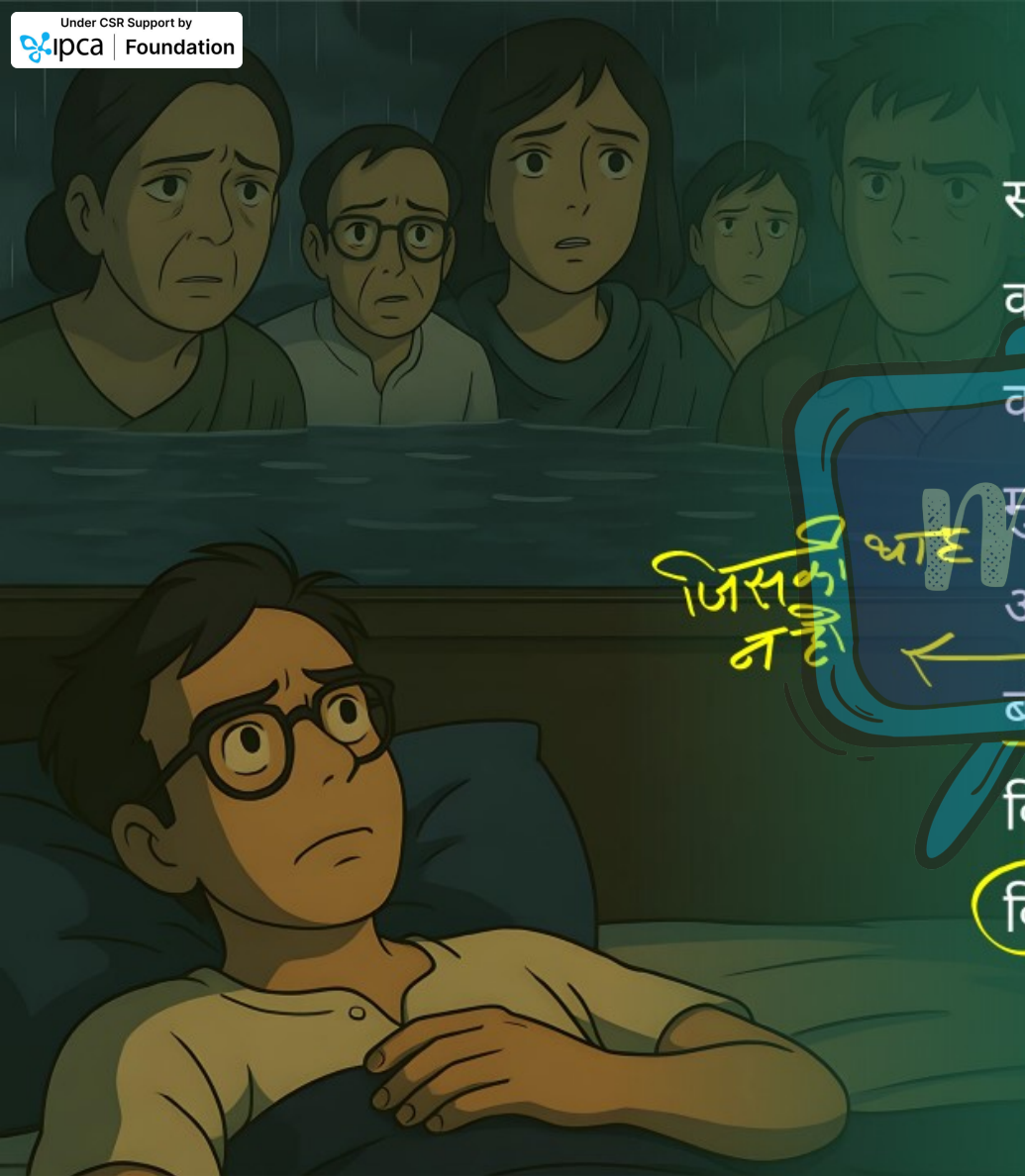

सभी जगे हुए हैं। कुत्ते रह-रहकर सामूहिक रुदन करते हैं और उन्हें रामसिंगार की मंडली डाँटकर चुप करा देती है। चौप... चौप!

मुझे अचानक अपने उन मित्रों और स्वजनों की याद आई जो कल से ही पाटलिपुत्र कॉलोनी, श्रीकृष्णपुरी, बोरिंग रोड के अथाह जल में घिरे हैं... जितेंद्र जी, विनीता जी, बाबू भैया, इंदिरा जी, पता नहीं कैसे हैं किस हाल में हैं वे!

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



शाम को एक बार पड़ोस में जाकर टेलीफ़ोन करने के लिए चोंगा उठाया-बहुत देर तक कई नंबर डायल करता रहा। उधर सन्नाटा था एकदम। कोई शब्द नहीं 'टुंग फुंग' कुछ भी नहीं।

बिस्तर पर करवट लेते हुए फिर एक बार मन में हुआ, कुछ लिखना चाहिए। लेकिन क्या लिखना चाहिए? कुछ भी लिखना संभव नहीं और क्या जरूरी है कि कुछ लिखा ही जाए? नहीं।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

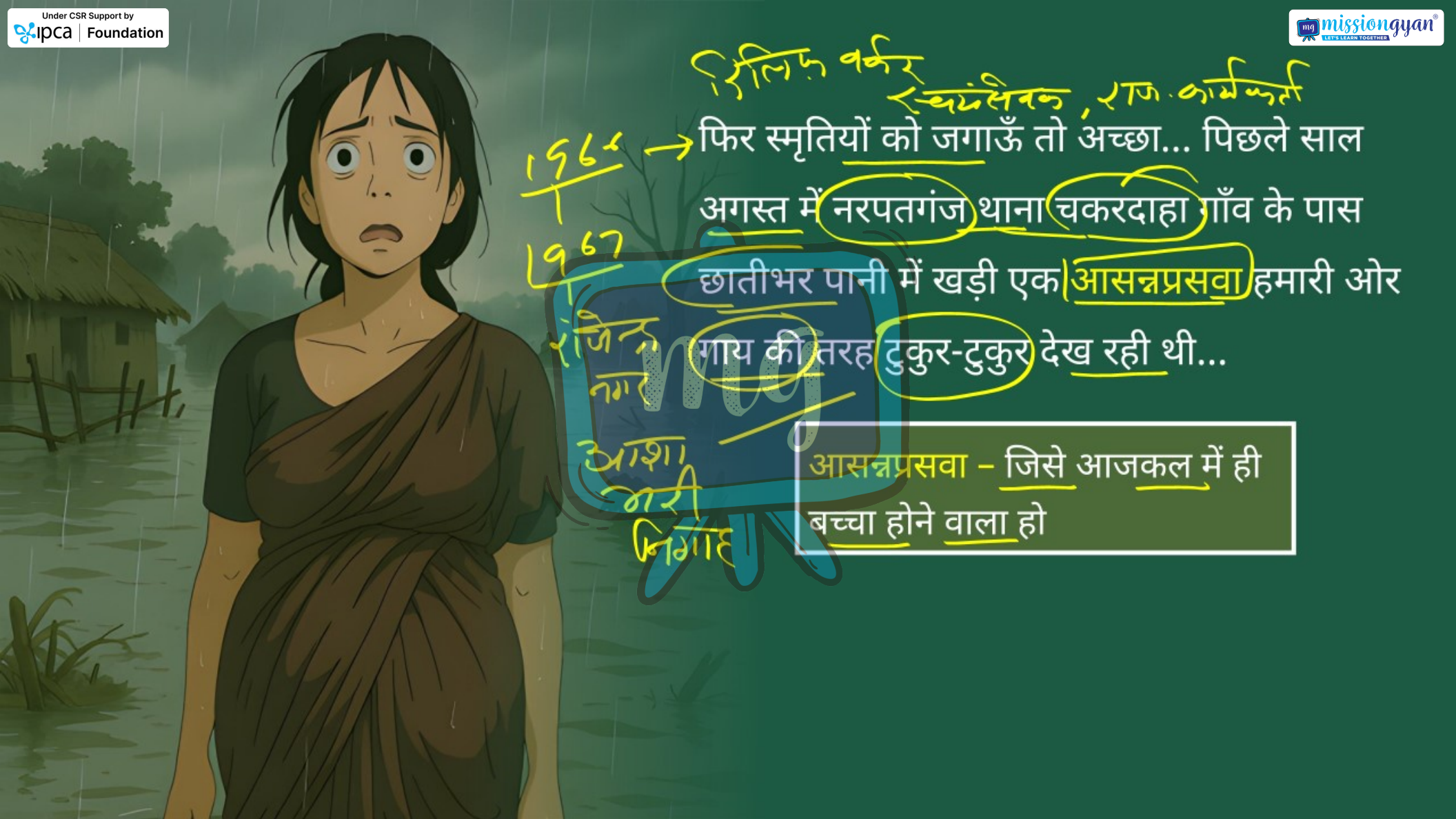

फिर स्मृतियों को जगाऊँ तो अच्छा... पिछले साल अगस्त में नरपतगंज थाना चकरदाहा गाँव के पास छातीभर पानी में खड़ी एक आसन्नप्रसवा हमारी ओर गाय की तरह टुकुर-टुकुर देख रही थी...

आसन्नप्रसवा – जिसे आजकल में ही बच्चा होने वाला हो

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



नहीं, अब भूली-बिसरी याद नहीं। बेहतर है, आँखें मूंदकर सफ़ेद भेड़ों के झुंड देखने की चेष्टा करूँ...

उजले-उजले सफ़ेद भेड़... सफ़ेद भेड़ों के झुंड।

झुंड... किंतु सभी उजले भेड़ अचानक काले हो गए।

बार-बार आँखें खोलता हूँ, मूँदता हूँ।

काले को उजला करना चाहता हूँ। भेड़ों के झुंड भूरे हो जाते हैं। उजले भेड़... उजले भेड़ ....काले भूरे...

किंतु उजले... उजले... गेहुएँ रंग के भेड़...!

Under CSR Support by
ipca | Foundation

सीखने के प्रतिफल (Learning Outcome)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

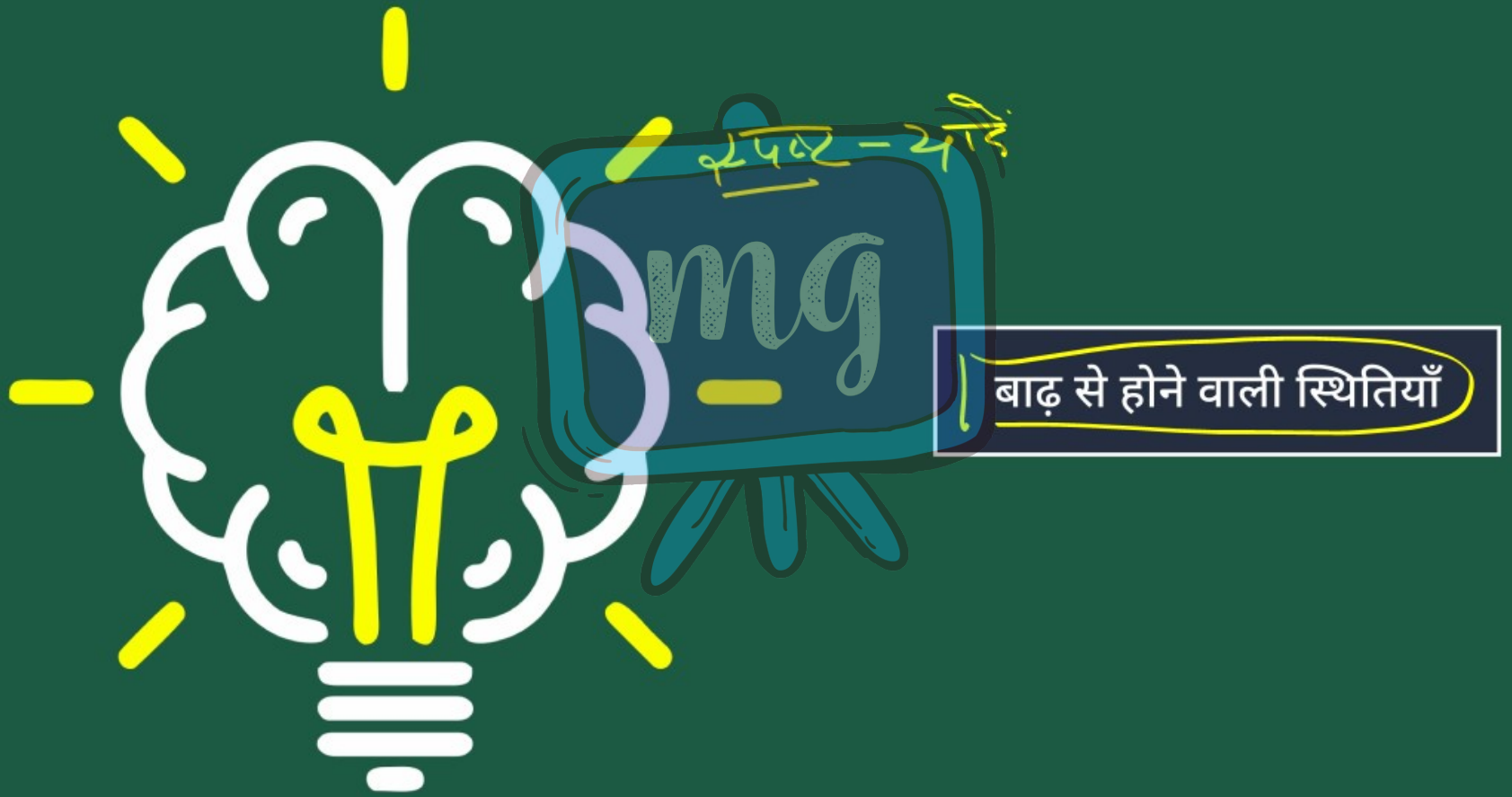

Under CSR Support by
ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



पानी

1 'पनियां आ रहलो है?' संवाद किसके द्वारा कहा गया है?

अ लेखक

ब रामसिंगार

स इंजीनियर

द टेलीफोन ऑपरेटर

Under CSR Support by
ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



2 लेखक को ऐसा क्यों लग रहा है कि पानी 'अटक' गया है?

अ इंजीनियरों ने तटबंध बना दिया है

ब दैवी चमत्कार हो गया

स पानी आने के संकेत के बावजूद नहीं आया

द उपर्युक्त सभी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



3 लेखक किन जगहों पर बसे अपने मित्रों की चिंता करता है?

अ बक्सर, छपरा

ब पाटलिपुत्र कॉलोनी, श्रीकृष्णपुरी, बोरिंग रोड

स गया, दरभंगा

द पटना कॉलेज और दीघा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



4 लेखक टेलीफोन पर बात क्यों नहीं कर पाया?

अ लाइन व्यस्त थी

ब नंबर गलत था

स उधर सन्नाटा था, कोई उत्तर नहीं मिला

द टेलीफोन खराब था

Under CSR Support by
ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



5 लेखक ने किस दृश्य से स्मृतियों को जगाने की बात की है?

अ गाय की तरह देखती एक आसन्नप्रसवा

ब नाव में बैठे युवक

स स्कूल के दिन

द बाढ़ राहत शिविर